



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

5 चैत्र 1941 (श10)  
(सं0 पटना 488) पटना, मंगलवार, 26 मार्च 2019

---

सं० वर्षा/स्था०-17/2017/264  
योजना एवं विकास विभाग  
(अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय)

संकल्प

6 मार्च 2019

**विषय:-** राज्य के 33 जिलों के 7230 ग्राम पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (Automatic Rain Gauge-ARG) की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन के साथ पाँच वर्षों तक रख-रखाव के लिए मो० 14434.00 (चौदह हजार चार सौ चौतीस) लाख रुपये अनुमानित व्यय की स्वीकृति तथा वित्तीय वर्ष 2018-19 में मो० 2500.00 (पच्चीस सौ) लाख रुपये व्यय करने की स्वीकृति।

#### 1. पृष्ठभूमि:-

बिहार राज्य में 38 जिलों, 534 प्रखण्ड तथा 8463 ग्राम पंचायत हैं। वर्तमान में राज्य के सभी प्रखण्डों में परम्परागत वर्षामापी यंत्र अधिष्ठापित हैं, जिसके स्थान पर स्वचालित मौसम केन्द्र (AWS) के अधिष्ठापन हेतु अलग से कार्रवाई की जा रही है। राज्य के किसी भी ग्राम पंचायत में वर्षामापी यंत्र अधिष्ठापित नहीं है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में वर्षापात की स्थिति यह है कि एक ग्राम पंचायत में वर्षा होती है तो वही उसके बगल के ग्राम पंचायत में वर्षा नहीं होती है। ऐसी स्थिति में किसी ग्राम पंचायत में सामान्य वर्षापात होने के कारण फसलों की स्थिति अच्छी रहती है तो उसके बगल के ग्राम पंचायत में सुखाड़ की स्थिति रहती है। ग्राम पंचायतवार वर्षापात से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं रहने के कारण बाढ़/सुखाड़ प्रभावित ग्राम पंचायतों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने में कठिनाई होती है।

एतद् स्थिति में राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में निवास करने वाले नागरिकों को उनके ग्राम पंचायत के आवश्यकतानुसार सरकारी योजना का लाभ पहुँचाने में तथा कृषि से संबंधित योजनाओं के सूत्रण एवं कार्यान्वयन हेतु राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का अधिष्ठापन कराकर वर्षापात से संबंधित ससमय एवं सही आंकड़ों का संग्रहण कराने की योजना है।

2. वर्तमान में कृषि विभाग द्वारा राज्य के 05 जिलों यथा- नालंदा, सुपौल, पूर्वी चंपारण, गया एवं अरवल के सभी ग्राम पंचायतों (1233) में टेलीमेट्रीक रेन गेज (Telemetric Rain Gauge-TRG) जो एक तरह का स्वचालित वर्षामापी यंत्र है, का अधिष्ठापन कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त शेष 7230 ग्राम पंचायतों में अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय (योजना एवं विकास विभाग) द्वारा स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का अधिष्ठापन कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

3. ग्राम पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन के फलस्वरूप वर्षापात का वास्तविक समय पर मापी (Real Time Measurement) के कारण वर्षापात से संबंधित आंकड़े किसी भी समय प्राप्त किये जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस वर्षामापी यंत्र से वर्षापात की अवधि (कब-कब वर्षा हुई) एवं वर्षापात की तीव्रता का भी पता चल सकेगा।

ग्राम पंचायतवार वर्षापात के आंकड़ों का उपयोग ग्राम पंचायतवार कृषि योजना तैयार करने, कृषि प्रक्षेत्र में जमीनी स्तर पर नीति का निर्धारण करने, बिहार राज्य फसल सहायता योजना का लाभ वास्तविक किसानों को पहुँचाने तथा आपदा प्रबन्धन के कार्यों में किया जाना संभव हो सकेगा।

4. राज्य के 7230 पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन हेतु मुख्य अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना द्वारा तकनीकी अनुमोदन प्रदान करते हुए मो० 14434.00 (चौदह हजार चार सौ चौतीस) लाख रुपये का स्थूल प्राक्कलन (Rough Estimate) समर्पित किया गया है, जिसमें स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन के बाद 05 वर्षों तक रख-रखाव की राशि भी सम्मिलित है।

5. राज्य के 7230 पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन हेतु एजेंसी का चयन प्रस्ताव आमंत्रित (Request for Proposal-RFP) कर ई-टेन्डरिंग के माध्यम से किया जायेगा।

6. ई-टेन्डरिंग के माध्यम से चयनित एजेंसी द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर सभी ग्राम पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का अधिष्ठापन कराया जाएगा। अधिष्ठापन के पश्चात् पाँच वर्षों तक स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का परिचालन रखरखाव एवं आंकड़ों के संग्रह का कार्य भी उसी एजेंसी द्वारा किया जायेगा।

7. स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का परिचालन एवं रखरखाव हेतु आपूर्तिकर्ता को प्रत्येक जिला मुख्यालय में एक तकनीकी टीम रखा जाएगा, जिसमें पर्याप्त संख्या में तकनीकी विशेषज्ञ स्पेयर पार्ट्स के साथ रहेगें जो उस जिले के ग्राम पंचायतों में अधिष्ठापित स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के रखरखाव एवं परिचालन, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी के निर्देशन में सुनिश्चित करेगे।

8. प्रखंड विकास पदाधिकारी/प्रखंड सांख्यिकी पर्यवेक्षक के नियंत्रण एवं देख-रेख में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का अधिष्ठापन प्राथमिकता के आधार पर पंचायत सरकार भवन के परिसर में किया जायेगा। जिस ग्राम पंचायत में पंचायत सरकार भवन नहीं है, वहाँ पर स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन हेतु उपयुक्त सार्वजनिक स्थल यथा-सामुदायिक भवन, विद्यालय आदि का चयन संबंधित ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव/पंचायत कृषि सलाहकार द्वारा संबंधित ग्राम पंचायत के मुखिया से समन्वय स्थापित कर किया जाएगा। यदि किसी ग्राम पंचायत में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन हेतु उपयुक्त सार्वजनिक भवन उपलब्ध

नहीं है तो उस पंचायत के किसी कृषक के निजी भूमि पर उस किसान के लिखित सहमति पर स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का अधिष्ठापन कराया जा सकेगा। स्थल चयन की प्रक्रिया में उपकरणों की सुरक्षा का विशेष रूप से ध्यान रखा जायेगा।

9. स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) की सुरक्षा की सम्पूर्ण जवाबदेही संबंधित ग्राम पंचायत की होगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी/प्रखंड सांख्यिकी पर्यवेक्षक अपने प्रखंड से संबंधित पंचायतों में अधिष्ठापित स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) का पर्यवेक्षण एवं निगरानी करेंगे तथा जिला स्तर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी इसका अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण नियमित रूप से करेंगे।

10. स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन के पाँच वर्षों तक वर्षापात से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण, जिला एवं राज्य स्तर पर समेकन का कार्य संबंधित एजेंसी/आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाएगा तथा सेन्ट्रल डाटा रिसिविंग एवं प्रोसेसिंग सेन्टर को उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए राज्य स्तर पर नोडल पदाधिकारी उप निदेशक(कृषि), अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना होंगे।

11. स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन के पाँच वर्षों के पश्चात् उसका रखरखाव एवं परिचालन की व्यवस्था अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय (योजना एवं विकास विभाग) द्वारा किया जायेगा।

12. स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन हेतु स्थल के चयन, परिचालन, रखरखाव इत्यादि कार्यों में कृषि विभाग, पंचायती राज विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा।

13. राज्य के 7230 ग्राम पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन हेतु कुल मिलाकर पाँच वर्षों में अनुमानित व्यय मो० 14434.00 (चौदह हजार चार सौ चौतीस) लाख रुपये है। वर्षवार अनुमानित व्यय की राशि निम्नवत् है:-

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	अनुमानित व्यय(लाख रुपये में)
1	2018-19	2500.00
2	2019-20	9816.46
3	2020-21	438.84
4	2021-22	467.76
5	2022-23	542.13
6	2023-24	668.66
कुल व्यय		14433.85
		अर्थात् 14434.00

14. स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन एवं रखरखाव पर आने वाले व्यय का वहन निम्न बजट शीर्षों के अंतर्गत किया जायेगा।

- मुख्य शीर्ष-3454, जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, उप मुख्य शीर्ष-02 सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, लघु शीर्ष-205 राज्य सांख्यिकीय एजेंसी, उप शीर्ष-0101 समग्र सांख्यिकी विकास योजना शीर्ष, मांग संख्या-35, विपत्र कोड-35-3454022050101
- मुख्य शीर्ष-3454, जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, उप मुख्य शीर्ष-02 सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, लघु शीर्ष-789 अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना, उप शीर्ष-0101 समग्र सांख्यिकी विकास योजना शीर्ष, मांग संख्या-35, विपत्र कोड-35-3454027890101

- (iii) मुख्य शीर्ष-3454, जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, उप मुख्य शीर्ष-02 सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, लघु शीर्ष-796 जनजातीय क्षेत्र उप योजना, उप शीर्ष-0103 समग्र सांख्यिकी विकास योजना शीर्ष, मांग संख्या-35,  
विपत्र कोड-35-3454027960103

15. राज्य के 7230 ग्राम पंचायतों में स्वचालित वर्षामापी यंत्र (ARG) के अधिष्ठापन एवं पाँच वर्षों तक रखरखाव पर कुल मो० 14434.00 (चौदह हजार चार सौ चौतीस) लाख रुपये अनुमानित व्यय की स्वीकृति तथा वित्तीय वर्ष 2018-19 में मो० 2500.00 (पच्चीस सौ) लाख रुपये व्यय करने के प्रस्ताव पर दिनांक 12.02.2019 को सम्पन्न मंत्रिपरिषद् की बैठक में मद संख्या-31 के रूप में स्वीकृति प्राप्त है।

**आदेश:-** आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय एवं इसकी प्रतिलिपि सरकार के सभी विभागों एवं महालेखाकार, बिहार, पटना को सूचनार्थ भेजी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
राजेश्वर प्रसाद सिंह,  
सरकार के अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 488-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>